भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1508

जिसका उत्तर 13.02.2025 को दिया जाना है

गोपालगंज में ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का रखरखाव

1508. डॉ. आलोक कुमार सुमन:
क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या गोपालगंज जिले के देवापुर-कोटवा खंड का ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर बहुत जर्जर स्थिति में है और गड्ढों और टूटी सड़कों के लिए तत्काल रखरखाव कार्य की आवश्यकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने देवापुर-कोटवा खंड के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर मरम्मत कार्य के लिए कोई मंजूरी दी है या ठेका दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) देवापुर-कोटवा खंड के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर लंबित कार्यों के साथ-साथ इस संबंध में शुरू की गई कार्रवाई और इसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा के बारे में ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है तथा एनएच को यातायात योग्य बनाए रखने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं। सरकार ने रखरखाव एजेंसी के माध्यम से सभी राजमार्ग खंडों के रखरखाव और मरम्मत (एम एंड आर) को सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य तंत्र विकसित किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के उन खंडों के रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी जहां विकास कार्य शुरू हो चुके हैं या संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण (ओएमटी) रियायतें /संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) अनुबंध दिए गए हैं, दोष देयता अवधि (डीएलपी)/रियायत अवधि के अंत तक संबंधित रियायतग्राही/ संविदाकारों की है। शेष एनएच खंडों के लिए, सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने निष्पादन आधारित रखरखाव अनुबंध (पीबीएमसी) या अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध (एसटीएमसी) के माध्यम से रखरखाव कार्य करने का नीतिगत निर्णय लिया है।

एनएच-27 के देवापुर-कोटवा खंड (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का भाग) के रखरखाव के लिए निष्पादन आधारित रखरखाव अनुबंध (पीबीएमसी) पहले ही सौंपा जा चुका है। वर्तमान में, पीबीएमसी के अंतर्गत प्रारंभिक सुधार (आईआर) कार्य चल रहा है तथा इसका मार्च, 2025 में पूर्ण होना निर्धारित है। इसके अतिरिक्त, दुर्घटनाप्रवण स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) की स्माप्ति के लिए, दीर्घकालिक शमन उपाय के रूप में चार स्थानों (देवापुर में दो, बैथरी में एक, चैनपट्टी में एक) पर अंडरपास निर्माणाधीन है। इन अंडरपास का कार्य एक वर्ष में पूर्ण होना निर्धारित है।

*****